

पत्रांक- 34 /अ0जि0-नमामिगंगे/2026-27

दिनांक- 15/05/2026

प्रभारी जिलाधिकारी महोदय/मुख्य विकास अधिकारी महोदया, सोनमद्र की अध्यक्षता में दिनांक-08.05.2026 को आहूत जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति के बैठक की कार्यवृत्ति

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा संचालित भारत सरकार एवं उ0प्र0 सरकार की शीर्ष प्राथमिकता की योजना जल जीवन मिशन "हर घर जल" के अन्तर्गत जनपद सोनमद्र में 12 नग पाइप पेयजल योजनाओं का निर्माण कार्य 05 कार्यदायी फर्मों द्वारा कराया जा रहा है। योजनाओं का निर्माण कार्य अन्तिम चरण में है। योजनाएं अपने जीवनकाल (डिजाईन पीरियड) तक समूचित मात्रा में शुद्ध पेयजल उपलब्ध करायें, के प्रभावी अनुश्रवण एवं ग्रामीण पेयजल कार्यक्रमों के क्रियान्वयन, मुल्यांकन हेतु गठित जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक दिनांक-08.05.2026 को प्रभारी जिलाधिकारी महोदय/मुख्य विकास अधिकारी महोदया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। बैठक में निम्नलिखित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया-

1. सुश्री नमिता शरण, जिला पंचायत राज अधिकारी, सोनमद्र।
2. श्री अनिल कुमार, अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सोनमद्र।
3. श्री शॉहनवाज, अधिशासी अभियन्ता (वि0/यॉ0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सोनमद्र।
4. श्री ओ0पी0 गुप्ता, अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, रॉबर्ट्सगंज।
5. श्री दिलिप कुमार, अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, पिपरी।
6. श्री नूर ऑलम, अधिशासी अभियन्ता, आर0ई0डी0, सोनमद्र।
7. श्री यू0के0 सिंह, अधिशासी अभियन्ता, बंधी प्रखण्ड-2, सोनमद्र।
8. श्री अजय कुमार श्रीवास्तव, सहायक अभियन्ता, मीरजापुर नहर प्रखण्ड।
9. श्री सुजीत कुमार गौड़,
10. श्री सुदामा प्रसाद, सहायक अभियन्ता, सिंचाई निर्माण खण्ड, सोनमद्र।
11. समस्त सहायक अभियन्ता/जूनियर इंजीनियर, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण)/एस0डब्ल्यू0एस0एम0, सोनमद्र।
12. श्री राणा प्रताप सिंह, डी0पी0एम0 टी0पी0आई0 (मेंधज), सोनमद्र।
13. श्री पंकज कुमार, पी0एम0सी0, सोनमद्र।
14. परियोजना प्रबन्धक, समस्त कार्यदायी संस्थाएं जनपद सोनमद्र।

अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन अन्तर्गत जनपद सोनमद्र के भूगर्भ जल में आयरन, प्लोराइड इत्यादि अशुद्धिया होने के कारण सर्फेस सॉस पर आधारित 12 नग ग्राम समूह पेयजल योजनाओं का निर्माण कार्य 05 कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराया जा रहा है। 12 नग पेयजल योजनाओं के सापेक्ष 03 नग योजनाएं संचालन एवं अनुसंधान अन्तर्गत संचालित है, 04 नग योजनाएं ट्रायल एण्ड रन अन्तर्गत संचालित है एवं 05 नग योजनाओं का निर्माण कार्य प्रगति पर है। पूर्व निर्धारित एजेण्डा के अनुसार बिन्दुवार समीक्षा की गयी, जिसका विवरण निम्नानुसार है-

➤ निर्माणाधीन पाइप पेयजल योजनाओं की अध्ययन प्रगति के सम्बन्ध में-

अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन अन्तर्गत जनपद में 05 नग योजनाएं निर्माणाधीन है, जिनका विवरण निम्नानुसार है-

1. कदरा ग्राम समूह पेयजल योजना- योजना का निर्माण कार्य मेसर्स वी0पी0आर0पी0एल0 द्वारा कराया जा रहा है। योजना की भौतिक प्रगति 86.90 प्रतिशत है। योजना कैमूर वन्य जीव प्रभाग, मीरजापुर के अन्तर्गत प्रभावित होने के कारण आवेदित अनापत्ति प्रमाण पत्र के क्रम में प्रभागीय वनाधिकारी के पत्रांक दिनांक 22.06.2025 द्वारा 01 वर्ष हेतु वर्किंग परमिशन निर्गत की गयी है। उक्त के क्रम में फर्म द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिसे माह जून 2026 तक पूर्ण कर जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी।
2. गुरमुरा-पनारी ग्राम समूह पेयजल योजना- योजना का निर्माण कार्य मेसर्स एल0एण्डटी0 द्वारा कराया जा रहा है। योजनान्तर्गत प्रस्तावित कुल 14 ग्रामों के 16516 नग गृह संयोजन के सापेक्ष फर्म द्वारा स्वीकृत वी0ओ0क्यू0 के अनुसार पार्ट-1 अन्तर्गत 03 ग्रामों (आंशिक) के अन्तर्गत 9000 नग गृह संयोजन का कार्य पूर्ण कर जलापूर्ति की जा रही है। योजना की भौतिक प्रगति 100 प्रतिशत है। गुरमुरा-पनारी पार्ट-2 के अन्तर्गत 11 ग्राम हेतु कुल 13 नग ओ0एच0टी0, 2 सी0डब्ल्यू0आर0 एवं वितरण प्रणाली का निर्माण कार्य कराया जाना है। फर्म द्वारा योजनान्तर्गत पार्ट-2 का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।

➤ अमावर ग्राम समूह पेयजल योजना- योजना का निर्माण कार्य मेसर्स एल0एण्डटी0 द्वारा कराया जा रहा है। योजनान्तर्गत प्रस्तावित कुल 54 ग्रामों के 17131 नग गृह संयोजन के सापेक्ष फर्म द्वारा स्वीकृत वी0ओ0व्यू0 के अनुसार पार्ट-1 अन्तर्गत 32 ग्रामों (आंशिक) के 10351 नग गृह संयोजन का कार्य कराया गया है। योजना की भौतिक प्रगति 96 प्रतिशत है। वर्तमान में योजनान्तर्गत बिछायी गयी पाइप लाइन की टेस्टिंग का कार्य प्रगति पर है। अमावर पार्ट-2 के अन्तर्गत 26 ग्रामों हेतु 02 नग अतिरिक्त ओ0एच0टी0 व वितरण प्रणाली का निर्माण कार्य कराया जाना है।

3. पटवध ग्राम समूह पेयजल योजना- योजना का निर्माण कार्य मेसर्स एन0सी0सी0 द्वारा कराया जा रहा है। योजना की भौतिक प्रगति 93 प्रतिशत है। योजनान्तर्गत कुल 643 ग्रामों के सापेक्ष 591 ग्रामों में कमिशनिंग (पाइप लाइन टेस्टिंग) का कार्य पूर्ण कर 29 ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है तथा 25 ग्रामों का हर घर जल प्रमाणीकरण का कार्य किया गया है। वर्तमान में योजनान्तर्गत बिछायी गयी पाइप लाइन की टेस्टिंग का कार्य प्रगति पर है तथा नियमित जलापूर्ति के ग्रामों की संख्या बढ़ाने के लिए कार्य किया जा रहा है।

कार्यवाही (कार्यदायी संस्था/टी0पी0आई0/अधिशाली अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण)।

➤ निर्मित/निर्माणाधीन पाइप पेयजल योजनाओं से की जा रही जलापूर्ति की अद्यतन स्थिति एवं आ रही समस्याओं के संबन्ध में-

अधिशाली अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन अन्तर्गत जनपद में 364 ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है, जिसका विवरण निम्नानुसार है-

1. बेलाही ग्राम समूह पेयजल योजना- योजना का निर्माण कार्य मेसर्स वी0पी0आर0पी0एल0 द्वारा कराया जा रहा है। योजना की भौतिक प्रगति 100 प्रतिशत है तथा योजना ट्रायल एण्ड रन अन्तर्गत संचालित है। योजनान्तर्गत कुल 186 ग्रामों के सापेक्ष 182 ग्रामों में कमिशनिंग (पाइप लाइन टेस्टिंग) का कार्य पूर्ण कर 130 ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है तथा 133 ग्रामों का हर घर जल प्रमाणीकरण का कार्य किया गया है।
2. नगवां ग्राम समूह पेयजल योजना- योजना का निर्माण कार्य मेसर्स वी0पी0आर0पी0एल0 द्वारा कराया जा रहा है। योजना की भौतिक प्रगति 100 प्रतिशत है तथा योजना ट्रायल एण्ड रन अन्तर्गत संचालित है। योजनान्तर्गत कुल 44 ग्रामों के सापेक्ष 44 ग्रामों में कमिशनिंग (पाइप लाइन टेस्टिंग) का कार्य पूर्ण कर 24 ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है तथा 33 ग्रामों का हर घर जल प्रमाणीकरण का कार्य किया गया है।
3. तेन्दुआही ग्राम समूह पेयजल योजना- योजना का निर्माण कार्य मेसर्स वी0पी0आर0पी0एल0 द्वारा कराया जा रहा है। योजना की भौतिक प्रगति 100 प्रतिशत है तथा योजना संचालन एवं अनुरक्षण अन्तर्गत संचालित है। योजनान्तर्गत कुल 80 ग्रामों के सापेक्ष 80 ग्रामों में कमिशनिंग (पाइप लाइन टेस्टिंग) का कार्य पूर्ण कर 74 ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है तथा 68 ग्रामों का हर घर जल प्रमाणीकरण का कार्य किया गया है।
4. परासी-बेलवावदह ग्राम समूह पेयजल योजना- योजना का निर्माण कार्य मेसर्स एल0एण्डटी0 द्वारा कराया जा रहा है। योजना की भौतिक प्रगति 100 प्रतिशत है तथा योजना संचालन एवं अनुरक्षण अन्तर्गत संचालित है। योजनान्तर्गत कुल 35 ग्रामों (29 राजस्व ग्राम एवं 06 शहरी कस्बे) के सापेक्ष 35 ग्रामों में कमिशनिंग (पाइप लाइन टेस्टिंग) का कार्य पूर्ण कर 23 ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है तथा 25 ग्रामों का हर घर जल प्रमाणीकरण का कार्य किया गया है।
5. झीलो-बीजपुर ग्राम समूह पेयजल योजना- योजना का निर्माण कार्य मेसर्स जी0वी0पी0आर0 द्वारा कराया जा रहा है। योजना की भौतिक प्रगति 98 प्रतिशत है तथा योजना ट्रायल एण्ड रन अन्तर्गत संचालित है। योजनान्तर्गत कुल 171 ग्रामों के सापेक्ष 153 ग्रामों में कमिशनिंग (पाइप लाइन टेस्टिंग) का कार्य पूर्ण कर 73 ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है तथा 102 ग्रामों का हर घर जल प्रमाणीकरण का कार्य किया गया है।
6. पटवध ग्राम समूह पेयजल योजना- योजना का निर्माण कार्य मेसर्स एन0सी0सी0 द्वारा कराया जा रहा है। योजना की भौतिक प्रगति 93 प्रतिशत है। योजनान्तर्गत कुल 643 ग्रामों के सापेक्ष 591 ग्रामों में कमिशनिंग (पाइप लाइन टेस्टिंग) का कार्य पूर्ण कर 29 ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है तथा 25 ग्रामों का हर घर जल प्रमाणीकरण का कार्य किया गया है। वर्तमान में योजनान्तर्गत बिछायी गयी पाइप लाइन की टेस्टिंग का कार्य प्रगति पर है।
7. केवथा ग्राम समूह पेयजल योजना- योजना का निर्माण कार्य मेसर्स जैन कन्स्ट्रक्शन द्वारा कराया जा रहा है। योजना की भौतिक प्रगति 100 प्रतिशत है तथा योजना संचालन एवं अनुरक्षण अन्तर्गत संचालित है। योजनान्तर्गत कुल 12 ग्रामों के सापेक्ष 12 ग्रामों में कमिशनिंग (पाइप लाइन टेस्टिंग) का कार्य पूर्ण कर 11 ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है तथा 11 ग्रामों का हर घर जल प्रमाणीकरण का कार्य किया गया है। शेष 01 ग्राम आंशिक रूप से गुरमुरा-पनारी योजना के पार्ट-2 अन्तर्गत आच्छादित होने के कारण प्रमाणीकरण नहीं कराया जा सका है।

कार्यवाही (कार्यदायी संस्था/टी0पी0आई0/अधिशाली अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण)।

➤ विभिन्न विभागो द्वारा क्षतिग्रस्त की गयी पेयजल पाइप लाइन से जलापूर्ति बाधित होने के संबंध में।

अधिकांश अभियन्ता, उ०प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि योजनान्तर्गत बिछायी गयी पाइप लाइन विभिन्न विभागो द्वारा क्षतिग्रस्त किये जाने के कारण योजनाओं में जलापूर्ति बाधित है, जिसका विवरण निम्नानुसार है—

लोक निर्माण विभाग (सड़क चौड़ीकरण/क्रासिंग)–

1. हर्षा योजनान्तर्गत कचनरवां से बोगेसोती मार्ग में 05 ग्राम– बागेसोती, डुमर, कचनरवां, किसुनपुरवां, चेरवाडीह सड़क चौड़ीकरण/क्रासिंग अन्तर्गत प्रभावित होने से जलापूर्ति बाधित है। (निर्माण खण्ड–2)
2. पटवध योजनान्तर्गत मितापुर, करगरा, बलुई से बन्धवा मार्ग में 06 ग्राम– पटवध, रेडिया, करगरा, मितापुर, गुरादाह एवं मारकुण्डी सड़क चौड़ीकरण/क्रासिंग अन्तर्गत प्रभावित होने से जलापूर्ति बाधित है। (प्रान्तीय खण्ड)

ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग–

1. झीलो–बीजपुर योजनान्तर्गत बैना से लिंक रोड, बघाडु से लिलासीखुर्द मार्ग पर 15 ग्राम– सेमरिया, डुमरहार, बमनी, असनहार, बरवाटोला, धनावर, करमटोला, चकबगदरीसनी, तेन्दुअल, नौडिहा, मधुबन, खरटीयाटोला, गोहरा, गंगाहर एवं रसपरही सड़क चौड़ीकरण अन्तर्गत प्रभावित होने से जलापूर्ति बाधित है।
2. पटवध योजनान्तर्गत घुवास से फुलवारी में 11 ग्राम सड़क चौड़ीकरण/क्रासिंग अन्तर्गत प्रभावित होने से जलापूर्ति बाधित है।
3. बेलाही योजनान्तर्गत किरौलिया, बैरियर से रामगढ रेन्जर ऑफिस मार्ग पर 11 ग्राम– सिरसी, कुधर, नेवारी, पडरीकला, लेडुआ, पटना, फुटहडवा, देवरी, मरकरी, मकरीबारी एवं किरहुलिया सड़क चौड़ीकरण/क्रासिंग अन्तर्गत प्रभावित होने से जलापूर्ति बाधित है। (धनराशि प्राप्त हो गयी है। वर्तमान में कार्य प्रगति पर है।)
4. नगवां योजनान्तर्गत सुअरसोत से सिरसिया मार्ग में 01 ग्राम– सिलहट सड़क चौड़ीकरण/क्रासिंग अन्तर्गत प्रभावित होने से जलापूर्ति बाधित है। (धनराशि प्राप्त हो गयी है। वर्तमान में कार्य प्रगति पर है।)
5. कदरा योजनान्तर्गत सिल्पी से कोलियाघाट एवं कोरट से रिजुल सड़क चौड़ीकरण एवं नाला निर्माण अन्तर्गत प्रभावित होने से जलापूर्ति बाधित है।

उक्त के अतिरिक्त ग्राम प्रधानो द्वारा नाली निर्माण एवं अन्य कार्य कराते समय पेयजल पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है, जिससे ग्रामों में जलापूर्ति बाधित हो रही है।

कार्यवाही (कार्यदायी संस्था/टी०पी०आई०/अधिकांश अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण)।

➤ हर्षा ग्राम समूह पेयजल योजना के इंटोकवेल तक जल की उपलब्धता के संबंध में–

अधिकांश अभियन्ता, उ०प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि योजना का निर्माण कार्य मेसर्स वी०पी०आर०पी०एल० द्वारा कराया जा रहा है। योजना की भौतिक प्रगति 100 प्रतिशत है तथा योजना ट्रायल एण्ड रन अन्तर्गत संचालित है। योजनान्तर्गत कुल 44 ग्रामों के सापेक्ष 44 ग्रामों में कमिश्निंग (पाइप लाइन टेस्टिंग) का कार्य पूर्ण किया गया है तथा 43 ग्रामों का हर घर जल प्रमाणीकरण का कार्य किया गया है। योजना के इंटोकवेल का निर्माण कार्य सोन नदी में वन विभाग की स्वामित्व वाली भूमि पर कराया गया है। योजनान्तर्गत इंटोकवेल के विपरीत दिशा में खनन का कार्य होने से नदी का प्रवाह इंटोकवेल के विपरीत दिशा में हो रहा है। वर्षा के उपरान्त इंटोकवेल के आस-पास लगभग 03 किमी० में बालू जमा होने के कारण इंटोकवेल में रॉ-वाटर की उपलब्ध नहीं हो पा रही है। वर्तमान में योजना से जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। इंटोकवेल के आस-पास एवं नदी के आधे भाग में वन भूमि होने के कारण खनन कार्य नहीं हो पा रहा है। वर्तमान में फर्म द्वारा रॉ-वाटर की उपलब्धता हेतु ड्रेजिंग का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।

कार्यवाही (कार्यदायी संस्था/टी०पी०आई०/अधिकांश अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण)।

➤ विद्युत आपूर्ति में आ रही समस्याओं के संबंध में–

अधिकांश अभियन्ता, (वि०/यॉ०) उ०प्र० जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि योजनान्तर्गत बाधित विद्युत आपूर्ति एवं अवशेष कार्यों से योजना में जलापूर्ति प्रभावित हो रही है, जिसका विवरण निम्नानुसार है–

1. परासी–बेलवादह योजनान्तर्गत लोटे, बडहरा, बियहवा सी०डब्ल्यू०आर० पर अनियमित विद्युत आपूर्ति होने से 07 ग्रामों में जलापूर्ति प्रभावित हो रही है।
2. केवथा योजनान्तर्गत 06 नग सी०डब्ल्यू०आर० पर विद्युत आपूर्ति ग्रामीण फिडर से हो रही है। वर्तमान में 12 से 15 घण्टे लो वोल्टेज के साथ विद्युत आपूर्ति प्राप्त होने से ग्रामों में अनियमित जलापूर्ति हो रही है।
3. योजनान्तर्गत सभी सी०डब्ल्यू०आर० में एक समान विद्युत आपूर्ति हेतु अनुरोध विद्युत विभाग से किया गया है।

4. योजनान्तर्गत समस्त पेयजल योजनाओं पर 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति उपलब्ध किये जाने हेतु विद्युत विभाग से अनुरोध किया गया है।

कार्यवाही (कार्यदायी संस्था/टी0पी0आई0/अधिशारी अभियन्ता, (वि0/यॉ0) जल निगम (ग्रामीण)।

➤ निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं की जल स्रोत में पानी की उपलब्धता की स्थिरता के संबंध में—

अधिशारी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन अन्तर्गत जनपद निर्मित/निर्माणाधीन पाइप पेयजल योजनाओं में सैं-वाटर नदी एवं बांध से लिया जा रहा है। पेयजल योजनाओं के जल स्रोत की स्थिरता के संबंध में गठित टीम द्वारा योजना के डिजाईन अवधि तक जल स्रोत में पर्याप्त जल की उपलब्धता है एवं स्रोत सस्टेनेबल है कि संस्तुति की गयी है।

कार्यवाही (कार्यदायी संस्था/टी0पी0आई0/अधिशारी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण)/संबन्धित सिंचाई विभाग।

उक्त के अतिरिक्त अध्यक्ष जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति द्वारा शासन की महत्वाकांक्षी परियोजना जल जीवन मिशन "हर घर जल" अन्तर्गत जनपद में निर्माणाधीन योजनाओं के सुचारु संचालन के दृष्टिगत सम्बन्धित को निम्नलिखित निर्देश दिए गये—

समस्त परियोजना प्रबन्धक—

1. ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत योजनान्तर्गत ग्रामों में नियमित जलापूर्ति उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
2. योजनान्तर्गत शेष बचे हुए कार्यों में आवश्यक मात्रा में मैन पावर एवं मशीनरी लगाते हुए कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें।
3. पटवध ग्राम समूह पेयजल योजनान्तर्गत जनपद के लगभग 50 प्रतिशत ग्राम (643) आच्छादित है। समस्त ग्रामों में पाइप लाइन की टेस्टिंग करते हुये ग्रामों में नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करें।
4. योजनान्तर्गत समस्त ग्रामों के प्रत्येक घर को गृह संयोजन से आच्छादित करते हुए नियमित जलापूर्ति कर हर घर जल प्रमाणीकरण कराना सुनिश्चित करें।
5. योजनान्तर्गत सगरत स्कूल, आंगनवाडी, स्वास्थ्य केन्द्र एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्टैंड पोस्ट लगाते हुए नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करें।
6. पाइप लाईन बिछाते समय क्षतिग्रस्त किये गये मार्गों को यथाशीघ्र पूर्व की स्थिति में लाया जाए।

विद्युत विभाग—

1. अधिशारी अभियन्ता वि0वि0ख0, रावर्दसगंज/पिपरी को पेयजल योजनाओं में विद्युत से सम्बन्धित समस्याओं का प्राथमिकता पर निराकरण कराते हुए विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
2. योजनाओं के डेडिकेटेड फिडर पर 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
3. योजनान्तर्गत सभी सी0डब्ल्यू0आर0 में एक समान विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

सिंचाई विभाग—

1. जनपद में सतही स्रोत आधारित निर्माणाधीन/निर्मित पेयजल परियोजनाओं के स्रोत में नियमित रूप से जल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सिंचाई विभाग के संबन्धित अधिशारी अभियन्ताओं को निर्देशित किया गया।


जल निगम—

1. अधिशारी अभियन्ता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत पेयजल योजनाओं से नियमित जलापूर्ति किये जाने हेतु नियमित रूप से योजनाओं की मानिट्रिंग कर फर्म के माध्यम से नियमित जलापूर्ति कराना तथा फर्म द्वारा नियमित जलापूर्ति किये जा रहे ग्रामों के सूची प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

जिला पंचायत राज अधिकारी—

1. जिला पंचायतराज अधिकारी ग्राम प्रधानों को नाली निर्माण एवं अन्य कार्य कराये जाने के दौरान पेयजल पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त न किये जाने के संबंध में अपने स्तर से निर्देशित करना सुनिश्चित करें।


बैठक सधन्यवाद सम्पन्न हुई।


अपर जिलाधिकारी
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति
सोनमद्र।

पत्रांक व दिनांक- उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. मण्डलायुक्त, विन्ध्याचल मण्डल, मीरजापुर।
2. प्रबन्ध निदेशक, उ०प्र० जल निगम (ग्रामीण) लखनऊ।
3. अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन लखनऊ।
4. जिलाधिकारी महोदय, सोनभद्र।
5. मुख्य विकास अधिकारी महोदय, सोनभद्र।
6. प्रभागीय वनाधिकारी सोनभद्र/ओबरा/रेनुकूट/मीरजापुर एवं कैमूर वन्य जीव प्रभाग मीरजापुर।
7. जिला खान अधिकारी, सोनभद्र।
8. जिला पंचायत राज अधिकारी, सोनभद्र।
9. अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण), सोनभद्र।
10. अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय (वि०/याँ०), उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण), सोनभद्र।
11. अधिशासी अभियन्ता ग्राउण्ड वॉटर।
12. अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, सोनभद्र।
13. अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड/निर्माण खण्ड निर्माण खण्ड-2/ पी०एम०जे०एस०वाई०, सोनभद्र।
14. अधिशासी अभियन्ता राष्ट्रीय राज्य मार्ग खण्ड, मीरजापुर।
15. अधिशासी अभियन्ता रिहन्द बांध, ओबरा बांध (जल विद्युत निगम) सोनभद्र।
16. अधिशासी अभियन्ता सिंचाई निर्माण खण्ड रावर्टसगंज सोनभद्र।
17. अधिशासी अभियन्ता कनहर निर्माण खण्ड-3 पिपरी सोनभद्र।
18. अधिशासी अभियन्ता मीरजापुर नहर प्रखण्ड मीरजापुर।
19. अधिशासी अभियन्ता बन्धी प्रखण्ड द्वितीय रावर्टसगंज सोनभद्र।
20. अधिशासी अभियन्ता विद्युत विरतरण खण्ड रावर्टसगंज /पिपरी सोनभद्र।
21. पी०एम०सी०/टी०पी०आई० सोनभद्र।
22. समस्त कार्यदायी संस्था सोनभद्र।


अपर जिलाधिकारी
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति
सोनभद्र।